UP Board Notes Class 6 Hindi Chapter 7 माँ कह एक कहानी (मंजरी)

"माँ कह ..... यही कहानी।"

संदर्भ – यह पद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक 'मंजरी' के 'माँ कह एक कहानी' नामक कविता से लिया गया है। इसके रचयिता राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त जी हैं।

प्रसंग – प्रस्तुत पद्यांश में राहुल अपनी माँ से कहानी सुनाने के लिए कह रहा है और माता यशोधरा राहुल को कहामी सुना रही है।

व्याख्या – राहुल अपनी माँ यशोधरा से कहता है- माँ, एक कहानी सुनाओ। राजा या रानी की कहानी सुनाओ। यशोधरा कहती है कि पुत्र तू हठ करता है तो सुन! एक दिन सुबह बगीचे में तुम्हारे पिता घूम रहे थे। वहाँ फूलों की सुगंध चारों ओर फैल रही थी। इतना सुनकर राहुल कह उठता है कि हाँ माँ! मुझे यही कहानी सुनाओ।

"वर्ण – वर्ण ..... यही कहानी।"

संदर्भ एवं प्रसंग – पूर्ववत्

व्याख्या – रंग- बिरंगे फूल खिले थे और उन पर ओस की बूंदें झिलमिला रही थीं। हवा के हल्के-हल्के झोंके चल रहे थे। तालाबों में पानी लहरा रहा था। हाँ-हाँ, माँ! यही कहानी सुनाओ।

"गाते थे ..... भरी कहानी।"

संदर्भ एवं प्रसंग – पूर्ववत् ।

व्याख्या – पक्षी कल-कल की आवाज करते हुए गा रहे थे, उसी समय अचानक नुकीले तीर से घायल होकर एक हंस नीचे गिरा। उसके पंख घायल हो गए थे। यह कहानी बहुत ही करुणा भरी है।

"चौंक ..... कठिन कहानी।"

संदर्भ एवं प्रसंग – पूर्ववत् ।

व्याख्या – चौंककर उन्होंने उस पक्षी को उठा लिया। पक्षी को लगा कि उसने नया जन्म पा लिया हो। थोड़ी ही देर में शिकारीं अपने अचूक निशाने पर खुश होता हुआ आ पहुँचा। उसे अपने लक्ष्य पर बहुत घमण्ड, था। यह कहानी कोमल और कठोर भावनाओं वाली है।

"माँगा उसने ..... चली कहानी।"

संदर्भ एवं प्रसंग – पूर्ववत् ।

https://www.evidyarthi.in/

व्याख्या – आखेटक ने घायल पक्षी पर अधिकार जताना चाहा, लेकिन तुम्हारे पिता उसकी रक्षा करने वाले थे। तब मांस खाने वाला वह व्यक्ति उसे वापस करने की जिद करने लगा। इस प्रकार कह्मनी आगे बढ़ चली।

"हुआ विवाद ..... हुई कहानी"

संदर्भ एवं प्रसंग – पूर्ववत्।

व्याख्या – दयालु और निर्दय में कहा-सुनी होने लगी। दोनों ही अपने-अपने विषय पर तर्क कर रहे थे। जब बात राज्य के न्यायालय में गई, तब सभी लोगों ने इस कहानी को सुना, जाना और यह कहानी व्यापक हो गई।

"राहुल ..... रहा कहानी।"

संदर्भ एवं प्रसंग – पूर्ववत् ।

व्याख्या – यशोधरा, राहुल से कहती है, बेटा तू ही इसका निर्णय कर कि न्याय किसकी तरफ होना चाहिए। तू निर्भय होकर बता कि जीत किसकी होनी चाहिए। मैं तुम्हारा भी न्याय सुन लँ। राहुल कहता है कि माँ, मैं क्या बोलूं। मैं तो कहानी सुन रहा हूँ।

"कोई निरपराध..... गुनी कहानी"

संदर्भ एवं प्रसंग – पूर्ववत् ।

व्याख्या – यदि कोई अकारण बिना अपराध के किसी को मारे, तो क्या दूसरे को उसकी रक्षा नहीं करनी चाहिए? मारने वाले से रक्षा करने वाला बहुत महान होता है। न्याय सदैव दया का पक्ष लेता है। इस पर माँ कहती हैं कि तुमने कहानी के मर्म को ठीक से समझा है।

https://www.evidyarthi.in/